संपादक के नोट

मैं तुम सब को मेरे पुनर्जीवित प्रभु येशु मसीह के नाम से अभिवादन करती हूं। मुझे विश्वास है कि आप सभी येशु के नाम में अच्छा कर रहे हैं। मेरी प्रार्थना हमेशा तुम्हारे और तुम्हारे परिवार और दोस्तों के लिए हैं।

येशु ने हमेशा अपने जीवन में प्रार्थना को महत्त्व दिया है। लूका २३रू३४ – परन्तु येशु ने कहा, ‘हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं।’ और उन्होंने चिट्ठियां डालकर उसके कपड़े आपस में बांट लिए।

जब वह बपतिस्मा ले रहा था, उसने प्रार्थना की और आकाश उसके लिए खोला गया। पवित्र आत्मा एक कबूतर की तरह उस पर आया और एक आवाज़ स्वर्ग से आई यह कहते हुए: मत्ति ३रू१७ – और देखो, यह आकाशवाणी हुईरू ‘यह मेरा प्रिय पुत्र है जिस से मैं अति प्रसन्न हूं।’

जब वह अपने प्रेरितों के साथ एक पहाड़ पर प्रार्थना कर रहा था, उसका चेहरा बदल गया। लूका ९रू२९ – जब वह प्रार्थना कर रहा था तो उसके मुख का रूप बदल गया और उसका वस्त्र श्वेत होकर चमकने लगा।

गतसमनी के बाग में, वह दर्द में था और जैसे ही वह अधिक आग्रह देकर प्रार्थना की, उसका खून पसीने के महान बूंदों की तरह बन गया नीचे जमीन पर गिरने लगे। एक दूत उसे सामर्थ देने के लिए स्वर्ग से दिखाई दिया, तब उसने और अधिक आग्रह से प्रार्थना की।

जब वह क्रूस पर था, उसने अधिक समय प्रार्थना में बिताया। सुबह ९.०० बजे, उसे क्रूस पर चढ़ाया गया था और दोपहर में ३.०० बजे उसने अपने पिता के हाथों में उसकी आत्मा को आत्मसमर्पण कर दिया। लूका २३रू४६ –और येशु ने ऊँचे स्वर से पुकार कर कहा, ‘हे पिता, मैं अपना आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ।’ यह कहकर उसने प्राण त्याग दिया। प्रार्थना के साथ उसने अपने जीवन को दे दिया।

हम क्रूस पर भी देखते हैं, कैसे येशु ने अपने लोगों के लिए आग्रह से प्रार्थना की, उसके अपने खुद के दर्द और पीड़ा को अनदेखा करके। यहां तक कि जब मौत नज़दीक आ गई थी और पृथ्वी पर अंधकार छा गया था, येशु अपने पिता से प्रार्थना कर रहा था यह कहकर: ‘पिता इन्हें माफ कर’ लूका २३रू३४ – परन्तु येशु ने कहा, ‘हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं।’ और उन्होंने चिट्ठियां डालकर उसके कपड़े आपस में बांट लिए।

एक बार एक अमीर लड़की का अपहरण कर लिया गया था और उन्होंने माता–पिता से एक बड़ी फिरौती के लिए कहा। क्योंकि माता पिता ने फिरौती का भुगतान नहीं किया, अपहर्ताओं ने धैर्य खो दिया और लड़की को जिंदा दफन कर दिया। इस लड़की ने पहले से ही उसका उद्धार प्राप्त किया था। वह येशु की

प्रार्थना याद कर रही थी और वह उसकी आखिरी सांस तक भी प्रार्थना कर रही थी। पुलिस उस जगह पर आई और ताज़ी खोदे गए मिट्टी को देखकर उन को शक हुआ। उन्होंने मिट्टी को खोदा और लड़की को गड्ढे में ज़िंदा पाया!

येशु ने प्रार्थना करने के लिए हमें सिखायां, क्योंकि प्रार्थना हमारे दैनिक जीवन में आवश्यक है। क्या आप भी येशु से प्रार्थना करने के लिए तैयार हैं? यशायाह ५३रू१२ – इसलिए मैं उसे महान् लोगों के साथ भाग दूंगा, और वह सामर्थियों के संग लूट को बांट लेगा, क्योंकि उसने अपना प्राण मृत्यु के लिए उण्डेल दिया, वह अपराधियों के संग गिना गया; फिर भी उसने बहुतों के पाप का बोझ स्वयं उठा लिया और अपराधियों के लिए विनती की।

आराधना के लिए एक समय है, स्तुति के लिए एक समय होता है और धन्यवाद के लिए एक समय है। लेकिन एक विश्वासी ईसाई के जीवन में, प्रार्थना और धन्यवाद हमेशा साथ जाता है। येशु ने भी अपने खुशी और दर्द में हमेशा धन्यवाद के साथ प्रार्थना की। जब उसका दोस्त लाज़र मर गया था, वहाँ भी, कब्र के सामने खडे होकर उसने कहा, ‘पिता, मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि तू ने मेरी सुन ली है।’ यूहन्ना ११रू४१ – तब उन्होंने पत्थर को हटायां। और येशु ने अपनी आँखें उठाईं और कहा, ‘पिता, मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि तू ने मेरी सुन ली है।

परमेश्वर की उपस्थिति उनके साथ होगी जो हमेशा परमेश्वर की स्तुति करते हैं और उस को महिमा देते हैं। तो आज प्रभु की स्तुति करने का निर्णय ले लो।

भजन संहिता ५०रू२३ – जो धन्यवाद का बलिदान चढ़ाता है वह मेरी महिमा करता है, और जो अपना मार्ग सीधा बनाए रखता है, उसको मैं परमेश्वर का उद्धार दिखाऊंगा।

भजन संहिता ३४रू१ – मैं यहोवा को हर समय धन्य कहा करूंगा; उसकी स्तुति निरन्तर मेरे मुंह से होती रहेगी।

मरियम ने लूका १रू४६–४७ में परमेश्वर कि स्तुति की – तब मरियम ने कहा, ‘मेरा प्राण प्रभु की बढ़ाई करता है, और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आननदित हुई हैं।

देखों पौलुस और सीलास को जो जेल में थे, दर्द और यातना में, और फिर भी परमेश्वर को प्रार्थना और आराधना कर रहे थे। प्रेरितों के काम १६रू२५ – अर्ध–रात्रि के लगभग पौलुस तथा सीलास प्रार्थना कर रहे थे तथा परमेश्वर की स्तुति के गीत गा रहे थे, और क़ैदी उनकी सुन रहे थे।

उनकी प्रार्थना और स्तुति ने जेल की नींव को हिलाना शुरू कर दिया, और केवल यही नहीं, जेलर ने भी उद्धार प्राप्त किया। मेरे प्रिय जन – प्रार्थना करो, आराधना करो, और परमेश्वर को धन्यवाद दो। अतः हम येशु के द्वारा स्तुतिरूपी

बलिदान परमेश्वर को सर्वदा चढ़या करें, अर्थात उन होठों का फल जो उसके नाम का अंगीकार करते हैं।

उसकी सेवा में,
पास्टर सरोजा म.

परमेश्वर उन लोगों को लैस करता है जिन्हे वह भेजता है।

हम पढ़ें न्यायियों ६ू१४ – तब यहोवा ने उसकी ओर दृष्टि की और कहा, ष्तू अपनी इसी शक्ति में जा और इस्राएल को मिद्यानियों के हाथ से छुड़ा। क्या मैंने तुझे नहीं भेजा है?ष यहाँ हम देखते हैं कि प्रभु गिदोन से बात कर रहा है। जबकि खुद गिदोन को उसमें छिपी हुई ताकत का पता नहीं था। अगर तुम एक हाथी पर विचार करते हैं, उसे अक्सर उसके शक्ति का एहसास कभी नहीं होता। यह सुन्दरता से जंगल में चलता है, लेकिन जब कोई अन्य जानवर उसे देखता है, वह उसके विशाल उपस्थिति से भाग जाता है। उसी तरह से, गिदोन को कभी नहीं लगा कि प्रभु की शक्ति उस में थी। यही कारण है कि प्रभु ने स्पष्ट रूप से गिदोन को देखा और उसे एहसास कराया कि परमेश्वर कि शक्ति उस में छिपा है। हमारे परमेश्वर के पास आँखें है जो सभी लोगों के दिलों को देखती है। वही परमेश्वर अपने आँखों को उठाकर गिदोन पर दृष्टि लगाई, क्योंकि उसने खुद को सीमित करना शुरू कर दिया था। वह भूल गया था कि प्रभु उसके साथ था। तो प्रभु उस पर देखता है और उसे अपने शक्ति में जाने के लिए कहता है। परमेश्वर ने उसे भेजा है और उसके साथ होगा। हाल्लेलूयाह। अगर तुम्हें याद है कि हमारा प्रभु येशु जब इस धरती पर था, सुसमाचार प्रचार करने के लिए अपने बारह चेलों को गांवों में भेजा है। और उसने उन्हें निर्देश दिया कि जब वे एक घर में जाते है, अगर घर के लोग उन्हें और उनके शब्दों को स्वीकार करते हैं, परमेश्वर की शांति उस घर में रहेगी। अगर वे उन्हें अस्वीकार करते हैं फिर वे उस घर से पानी भी नहीं पीना चाहिए लेकिन उनमें से चले जाना चाहिए। उस जगह की किस्मत सदोम से भी बदतर हो जाएगी।

फिर प्रभु कहता है कि उसके चेलों के हर बाल गिने हुए है और यह कि वे बहुत गौरैयों से अधिक मूल्यवान है, जिन्हें परमेश्वर खिलाता है और हर रोज देखभाल करता है। इसी से हम समझ सकते हैं कि जब प्रभु किसी को भेजता है, वह निश्चित रूप से उन का अच्छा ख्याल रखेगा। यहाँ गिदोन के मामले में हम देखते हैं कि प्रभु गिदोन को देखता है और उसे एक विशिष्ट कार्य के लिए भेजता है। याने के, इस्राएलियों को मिद्यानी के उत्पीड़न से मुक्त करने के लिए। परमेश्वर ने उसे भेजा है। प्रभु की स्तुति हो!

जबकि कई बार, परमेश्वर के लिए हमारी सेवकाई में सेवा करते समय, हम बहुत कमज़ोर हो जाते हैं। हमें लगता है कि हम अगले प्रार्थना सभा संभालने में सक्षम नहीं होंगे। लेकिन हर बार हमने देखा है कि प्रभु ने हमें उपयोग किया है और हमारे बीच में उसका सामर्थ्य काम किया है। इस प्रकार हम देखते हैं कि जब परमेश्वर किसी को भेजता है, वह निश्चित रूप से सभी आवश्यक शक्ति और ताकत उसकी सेवकाई के लिए आवश्य प्रदान करेगा। जब परमेश्वर हमें देखता है जैसा उसने गिदोन पर दृष्टि की, हमें किसी भी चीज की कमी कभी नहीं होगी। परमेश्वर की सब बुद्धि और पराक्रम हमारे लिए उपलब्ध हो जाएगी। जब परमेश्वर हमें देखने के लिए आरंभ करता है तो उसके सभी आशिषें हमारी ओर प्रवाह करना शुरू कर देती है। जब परमेश्वर ने गिदोन पर दृष्टि की, परमेश्वर ने उसे शक्ति दी इसराइल के राष्ट्र को उनके दुश्मन मिद्यानीयों से छुड़ाने के लिए। हम देखते हैं कि गिदोन एक बहुत ही नम्र और खेदित स्वभाव का आदमी था। हम पढ़ें नीतिवचन ६रू१५ में – इसलिए उसपर अचानक विपत्ति आ पड़ेगी। वह क्षण भर में ऐसा नष्ट हो जाएगा कि बचने का कोई उपाय नहीं रहेगा। कभी कभी जब हम परमेश्वर की आवाज़ को नहीं सुनते हैं या जब हम वह क्या कहता हैं ऐसा नहीं करते हैं विपत्ति हम पर अचानक आ सकती है। जब हम उसकी इच्छा से सहमत नहीं होते हैं, या अगर हम उसकी बुलाहट के अधीन नहीं होते हैं यह कहते हुए कि हम कमज़ोर हैं, और यह कि हम उसका काम नहीं कर सकते, तब वचन कहता है कि अचानक मुसीबत हम पर गिर पड़ेगी। यह होगा जब हम घर पर या कहीं भी हो सकते है। जब परमेश्वर हमें कहीं भेज रहा है और जब हम वहाँ नहीं जाते हैं या जब हम अविश्वास दिखाते है और बड़बड़ाते है यह कहकर कि हम कमजोर और असमर्थ हैं, ऐसा संभव है कि अचानक विपत्ति हम पर गिर जाएगी। अचानक हमरी दुर्घटना हो सकती है, हम बीमार हो सकते है, या अगर हम कहते हैं कि हम कमज़ोर हैं, हम और भी अधिक कमज़ोर हो जाएंगे। हमारी जो भी डर हैं, उस से भी एक बड़ी समस्या हम पर आ सकती है।

कई बार हम यहाँ और वहाँ सविकाय में दौड़ते हैं यह हमारे दिल में प्रभु परमेश्वर के डर की वजह से है। अगर हम प्रभु द्वारा चुने गए है, तो इसका मतलब यह नहीं

है कि हम अपने स्वयं के इच्छा और अपनी समझ से सब कुछ करे। यह बहुत महत्वपूर्ण है की भय और ध्यान दे प्रभु के प्रत्येक और हर वचन पर क्योंकि वह उसकी आंखें ऊपर उठाता है और हमारी ओर देखता है। इस प्रकार जब वह हमसे बोलता है, हमें तुरंत, उसकी बात मानना चाहिए वरना जैसे वचन कहता है, आफत हम पर अचानक आ सकती है। आज अगर परमेश्वर हमें वचन प्रचार करने के लिए हमें फलांना जगह पर जाने के लिए कहता है, और हम परमेश्वर की बुलाहट को यह कहकर अस्विकार कर देते है की कि हम थक गए हैं या सुस्त है और घर पर बैठते हैं, फिर अचानक कुछ बुराई हमारे घर में ही हम पर आ सकती है। अगर हम सोचते है कि हमारे शरीर को कठिनाई होगी यहाँ और वहाँ यात्रा करने में यह बहुत संभव है कि आफत हमारे लिए और भी अधिक परेशानी का कारण हो सकता है। तो यह अत्यंत महत्व का है कि हम सुने प्रभु हमारे जीवन में क्या कहता हैं। यह या तो अच्छा या हमारी दृष्टि में बुरा लगे, परन्तु परमेश्वर की इच्छा और हमारी ओर योजनाओं का हमेशा एक अच्छा अंत होता है। दु: ख थोड़े समय के लिए रह सकता है लेकिन उसका काम हमेशा हमेशा के लिए एकदम सही है। परमेश्वर ने ऊपर देखा और गिदोन से बात की के परमेश्वर की महिमा के लिए जाकर इस्राएलियों को छुड़ाए। अगर हम ऐसे समय में प्रभु परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं विपत्ति एक समय के लिए नहीं हो सकता है लेकिन बार बार आ सकता है। कठिनाइयाँ, रोग या परेशानी बार बार उठ सकती है। प्रभु, राजाओं का राजा है, वह किसी को भी उसकी महिमा कभी नहीं देता है। हमें यह कह कर परमेश्वर की बुलाहट का इनकार नहीं कर सकते हैं की ‘मैं बीमार हूँ’, ‘मैं योग्य नहीं हूँ’ या ‘मैं दु : ख से भरा हुआ हूं और कोई ताकत नहीं है।’ नहीं! हम प्रभु को इस तरह के बहाने कभी नहीं दे सकते है। अगर परमेश्वर का आह्वान है, तो वह ज़रूरी शक्ति के साथ हमें लैस करने के लिए वफादार रहेगा।

अपनी सेवा में कई बार, मैं मेरे साथ केवल एक या दो वचनों के साथ उपदेश–मंच पर गई हूँ। लेकिन परमेश्वर ने वफादारी से मेरे मुंह से बात किया है। क्यों? क्योंकि उसने मुझे चुना और मुझे भेजा है, वह कठिन परिस्थितियों में मुझे संभालेगा। जब हम उस पर भरोसा करते है और आगे बढ़ते हैं, शांति और आनंद हमारी होगी। मैंने अक्सर देखा है कि कमज़ोरियों के ऐसे समय में परमेश्वर का वचन और अधिक शक्ति और अभिषेक से आया है। हाँ, कई बार जब मैंने अपने आप को, मेरे कठिन परिस्थितियों के कारण तैयार नहीं किया है, मैंने परमेश्वर के अनुग्रह को देखा है और उनकी शक्ति सेवाओं में काफी प्रकट हुआ है। हाल्लेलूयाह! यह हमारा परमेश्वर हैं। इस प्रकार, हमारी जो कुछ भी ताकत और क्षमताएं हो सकती है, और अगर परमेश्वर हमें आज्ञा देता है ऐसे समय में खड़ा रहने के लिए, वह निश्चित रूप से जो उद्देश्य से हमें भेज रहा है उसे पूरा करेगा। यह बहुत आवश्यक

है कि प्रभु, परमेश्वर के चुने हुए लोगों के साथ होना चाहिए। अगर परमेश्वर हमारे लिए नहीं है, हम कुछ नहीं कर सकते।

हम अब पढ़ें यशायाह ४१रू१० – मत डर, क्योंकि मैं तेरे संग हूं। इधर–उधर मत ताक, क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर हूं। मैं तुझे दृढ़ करूंगा और निश्चय ही तेरी सहायता करूंगा, और अपने धर्ममय दाहिने हाथ से तुझे सम्भाले रहूंगा। यशायाह एक महान नबी था, क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था। वह डरा नहीं था, न ही वह उलझन में पड़ा था, क्योंकि परमेश्वर ने उसे इन शब्दों के साथ प्रोत्साहित किया था। जब परमेश्वर कुछ करने के लिए कहता है, हमें भ्रमित नहीं होना हैं। भ्रम एक बात है और भय एक बात है। जब हम उलझन में है और परमेश्वर की सेवा कर रहे हैं, वहाँ एक निश्चित बेचैनी और दिल में लगातार डर है। परमेश्वर ऐसी सेवा नहीं चाहता है। परमेश्वर हमसे न ही डरने और न ही निराश होने के लिए बात करता है। परमेश्वर खुद मजबूत बनाएगा और हमें मदद करेगा। हाल्लेलूयाह! कोई फर्क नहीं पड़ता कि कैसा महान शैतान आप का सामना कर रहा हो, यदि परमेश्वर ने तुम्हें भेजा है, जाओ और भ्रमित न हो। डरों मत और न ही अपने दिल में शक करो। परमेश्वर हमारे संग रहेगा और मजबूत बनाएगा और हमें मदद करेगा। वह अनुग्रह देगा। वह प्रार्थना करने के लिए शक्ति देगा। वह तो हम में उसकी उपस्थिति के माध्यम से हमें साहस देगा। अगर हम इस तरह से आगे जाएंगे, परमेश्वर निश्चित रूप से उस जगह में महान काम करता है।

अगर हम भय और संदेह के बिना आगे जाते है, वचन कहता है कि परमेश्वर अपने धर्म के दाहिने हाथ के साथ हमें बनाए रखेगा। हाल्लेलूयाह! कोई भी हमारे खिलाफ नहीं आ सकता है, या हमें धोखा दे या हमारे शब्दों का विरोध या हमारे साथ गलती खोज सकता है। यह ऐसा है क्योंकि उसने हमें भेजा है, उस ने हमें शक्ति दिया है और वह हमें बनाए रखेगा। परमेश्वर निश्चित रूप से उस स्थान पर एक बड़ा छुटकारे का आदेश देगा। जब हम निर्भयता के तरह के एक दिल के साथ आगे बढ़ते है, क्योंकि परमेश्वर हमारे साथ है, और क्योंकि प्रभुओं का प्रभु ने हमसे बात की है, फिर हम यशायाह की तरह एक महान नबी बन सकते है। प्रभु हमेशा यशायाह से बात की, वह डरा नहीं और न ही उसने परमेश्वर के वचन पर शक किया, यही कारण है कि आज वह एक महान नबी के रूप में देखा जाता है। यह तब था जब इस्राएल का देश बड़ी मुश्किल में था लेकिन परमेश्वर ने यशायाह को इस्तेमाल किया था। आज यदि कोई इस तरह वफादार है, परमेश्वर उस व्यक्ति का उपयोग कर सकता है और उसके माध्यम से पराक्रमी काम कर सकता हैं। परमेश्वर एक ऐसा परमेश्वर है जो ढूंढता है और जो खो जाते हैं उन लोगों को बचाता है। जरा कल्पना करो जब अपना खुद का बच्चा खो जाए या गायब हो जाए, कैसा महान दुः ख हमारे दिल में आता है। इसी तरह, हमारे गांव में

एक महिला का बच्चा लापता था। इस औरत का दिल भय और चिंता से भरा हुआ था। कुछ जगहों में, कुछ लोग एक पुल या एक बड़ी इमारत के निर्माण की शुरुआत से पहले बच्चे का बलिदान करते है। कुछ लोग बच्चे की आँखों को अंधा करके और उसके हाथ में एक खाली नारियल का खोल रख देते है। वे उनके बाल मुंड़वाकर और उनके कपड़े बदल देते है, ऐसी कि कोई भी उन्हें पहचान नहीं सकता हैं और अंत में वे उन्हें भीख माँगने के लिए मजबूर करते है। इस प्रकार, जब भी एक बच्चे का अपहरण किया जाता है, यह इस तरह के विनाशकारी कारणों के लिए है। हम परमेश्वर के प्यारे बच्चे हैं। परमेश्वर का दिल हमारी ओर कैसा होगा। अदन की वाटिका में, शैतान ने आदमी से उसके महिमा के कपड़ों को लूट लिया, उसने परमेश्वर के विरुद्ध पाप करने के लिए आदमी को अंधा किया। आदमी एक लापता बच्चे की तरह, परमेश्वर से छिपना शुरू किया। लेकिन अनुग्रहकारी प्रभु खो गए मानव जाति को खोजना शुरू किया। परमेश्वर प्यार है।

एक कहानी है जो इस तरह से है – एक बार दो हिरण थे। उन दोनों एक दिन बेहद प्यासे थे। वे यहाँ और वहाँ पानी की तलाश में जंगल में चल रहे थे। यहाँ और वहाँ एक लंबे समय के देखने के बाद, उन्हें कुछ पत्थरों के बीच में थोड़ा पानी मिल गया। अब उन दोनों को बेहद प्यास लगी थी और उन दोनों ने पीने के लिए पत्थर के बीच में उनके सिर को नीचे रख दिया। लेकिन किसी तरह पानी खत्म नहीं हो रहा था। यह दोनों जानवर विस्मय में एक दूसरे को देखने लगे। और फिर उन्हें एहसास हुआ कि उन दोनों ने पानी नहीं चखा था, क्योंकि उन दोनों का एक ही मन था। एक हिरण सिर्फ पानी में सिर रखी थी, यह सोच कर कि अगर उसने पिया, उसका दोस्त वह अन्य हिरण को पूरा नहीं होगा। और अन्य हिरण भी यही सोच रहा था। दोनों हिरणों ने उनके सिर को नीचे डाल दिया, लेकिन पीया नहीं, यह सोच कर कि पानी उन दोनों के लिए पूरा नहीं होगा। ऐसा उनका प्यार था।

उसी तरह हमारे प्रभु येशु ने हमें प्यार किया और उसका अपना जीवन का बलिदान कर दिया कि हम जीवन प्राप्त कर सकें। उसने हमें इस दुनिया में सब कुछ पाने के लिए एक रास्ता बना दिया है। आज वह हमसे कहता है, ष्मत डर, मैंने तुम्हारे लिये मेरा खून बहाया है। कोई बात नहीं कैसे महान तुम्हारे पाप है, मेरा रक्त साफ कर सकता हैं और तुम्हें पूर्ण बना सकता है। डरो मत। और मेरे वचन पर शक मत करो। जाओ, मैं तुम्हारे साथ हूँ, हाल्लेलूयाह! यह हमारे परमेश्वर हैं। यह प्यार का हमारा परमेश्वर है। उसने दुनिया के सभी पापियों के लिए उसका प्यार आगे डाला है। हम पढ़े यूहन्ना १५रू१३ – इस से महान प्रेम और किसी का नहीं, कि कोई अपने मित्रों के लिए अपना प्राण दे। आज, वह कौन है जिसने हमारे लिए उनका जीवन दिया है? यह हमारा परमेश्वर है जो इस दुनिया में मानव शरीर के रूप में

आया है। वह प्यार का प्रतीक है, जो हम पापियों के लिए अपना जीवन दिया है। यही कारण है कि परमेश्वर ने हमारे लिए उनका प्यार दिखाया। जो भी प्रभु हमें बताता है कि हमारे जीवन में करना है यह बहुत आवश्यक है कि हमें यह करना चाहिए। यह एक छोटी सी बात या एक बड़ी बात हो या नहीं, हम उसका आज्ञापालन करना चाहिए। जब हम सुनते हैं और वह क्या कहता है उसे करते है, वह एक है जो हम से लूटेगा नहीं, लेकिन इसके बजाय वह आशीष देगा। वह जिसने हमें चुना है और हमें भेजा है, वह निश्चित रूप से हमारे साथ होगा। हम पढ़ें लूका १०ः३ – जाओ। देखो, मैं तुम्हें मेमनों के समान भेड़ियों के मध्य भेजता हूँ। प्रभु क्या कह रहा है? वह हमें जाने के लिए तैयार कर रहा है। कहा जाये? भेड़ियों के बीच में भेड़ के बच्चे के रूप में जाए। इस तरह से वह हमें भेजता है। इस दुनिया को देखो। इस दुनिया में बुराई अंधकार से भर जाता है। यह दुनिया बुरे लोगों से भरा है। प्रभु यह जानता है। तो अगर परमेश्वर इन मेमनों को भेड़ियों के बीच भेजता हैं, यह कौन है जो इन मेमनों को सामर्थ से लैस करेगा भेड़ियों पर काबू पाने के लिए? यह हमारे प्रिय प्रभु येशु है। वह महान चरवाहा है। दाऊद एक चरवाहा था। क्या वह कभी भेड़ से दूर पीछे हटा जब शेर और भालू आए थे? नहीं! इसके बजाय वह उनके खिलाफ लड़ाई लड़ी और उन्हें फाड़ दिया और उन्हें मार डाला। उसी तरह से परमेश्वर जो हमारा प्रधान रखवाला है, वह हमें मदद करेगा। परमेश्वर हमें भेड़ियों के बीच में भेड़ के रूप में भेज रहा है। वह दुष्ट लोगों के बीच में इस बुराई की दुनिया में हमें भेज रहा है। क्या वह हमें अकेला और असहाय भेज देगा? नहीं, वह निश्चित रूप से हमारे साथ होगा। इसलिए हम विश्वास करे कि हम निश्चित रूप से जीत जाएंगे और भरोसे के साथ आगे बढ़ें। यदि हम अपने दिलों में शक करते हुए कहें कि ष्आह! हम सिर्फ़ मेमने हैं और भेड़ियों के बीच में जा रहे हैं। क्या होगा यदि भेड़िएं हमें खा लेंगे? तो फिर हम परमेश्वर के लिए काम करने के लिए योग्य नहीं हैं। यह जो भी समस्या हो सकता है, जो कुछ भी दुः ख, अगर परमेश्वर ने बात की है, हमें जाना चाहिए। अगर परमेश्वर ने बात की है तो वह ध्यान भी रखेगा। हमें अपने जीवन की चिंता करने की जरूरत नहीं है, वह एक है जो हमें भेज रहा है, हमारी देखभाल करने का यह उसकी जिम्मेदारी है। हम निश्चित रूप से परमेश्वर के लिए जीएंगे क्योंकि हमने राजाओं के राजा की आवाज सुनी है, जो हमारा महान रखवाला है। वह आएगा। हम डरे नहीं। हम उसकी बात पर शक नहीं करे। उसने कहा कि वह हमारे दाहिने हाथ पर होगा। गिदोन को देखो, वह केवल ३०० पुरुषों के साथ दुश्मनों के साथ लड़ाई के लिए चला गया। एक बहुत ही सरल तरीके से उसने जीत हासिल की। वह, तलवार के साथ सभी दुश्मनों को मार सकता था क्योंकि गिदोन की तलवार प्रभु की तलवार थी।

जो तलवार उसके हाथ में था वह परमेश्वर की तलवार थी। इस कारण उसे लड़ाई में जीत मिली।

पढ़ें यिर्मयाह १६रू२१ – देखो, इसी कारण मैं उन्हें बताने जा रहा हूं – मैं इस बार अपना भुजबल और अपना पराक्रम उन पर प्रकट करूंगा; और वे जान लेंगे कि मेरा नाम यहोवा है। हाल्लेलूयाह! परमेश्वर चाहता है कि लोग जाने और वह उन्हें अपने पराक्रम के बारे में और अपने शक्तिशाली हाथ के बारे में पता करने के लिए प्रेरित करेगा। लोग जान लेंगे कि वह प्रभु है। जब परमेश्वर हमें बुलाता है, वह हमें एक काम देगा और वह उसे पूरा करने के लिए शक्ति प्रदान करेगा। वह निश्चित रूप से यह करेगा और हमारे साथ होगा। इस प्रकार, जब लोग देखेंगे कि काम पूरा हआ है, वे स्वीकार करेंगे और सहमत होंगे कि वास्तव में यह प्रभु का काम है। प्रभु की स्तुति हो!

हम एक और वचन पढ़ें भजन संहिता १८रू३२ – परमेश्वर ही तो है जो सामर्थ्य से मेरी कमर कसता है और मेरे मार्ग को सिद्ध करता है।

दाऊद कहता है कि जो मुझे शक्ति देता है और और जो मेरा रास्ता सही बनाता है वह प्रभु है। यही कारण है कि दाऊद हमेशा अपनी लड़ाई जीतता था। वह ज्ञान के साथ काम करता था। हम शास्त्रों से जानते हैं कि दाऊद ज्ञान के साथ अपने सब कामों का प्रदर्शन करता था। प्रभु ने उसे अपने सब मार्गों पर मदद की। प्रभु ने उसे ताकत दी और उसके सामने के सब मार्गों को सीधा बनाया है। इस प्रकार, हम सब प्रभु के लोग हैं, वह निश्चित रूप से हमारा ध्यान रखेगा। जिन लोगों को उस पर भरोसा है और जो लोग उसके वचन पर विश्वास करते हैं, परमेश्वर उन्हें कभी अकेला नहीं छोड़ेगा। वह शक्ति, ताकत देगा और हमारे रास्ते को सही कर देगा। हर काम में वह हमारे साथ होगा और हमारा ध्यान रखेगा। हम पढ़ें भजन संहिता १८रू३२–४६ – परमेश्वर ही तो है जो सामर्थ्य से मेरी कमर कसता है और मेरे मार्ग को सिद्ध करता है। वह मेरे पैरों को हरिणी के पैरों के समान बनाता है और मुझे मेरे ऊंचे स्थानों पर स्थिर कर देता है। वह मेरे हाथों को युद्ध की कला सिखाता है जिस से मेरी बाहें कांसे का धनुष तक झुका देती हैं। तू ने मुझे अपने उद्धार की ढाल भी दी है, तेरा दाहिना हाथ मुझे सम्भाले रहता है, तेरी नम्रता मुझे महान् बनाती है। मेरे क़दम रखने के स्थानों को तू चौड़ा करता है, और मेरे पैर फिसलते नहीं। मैंने अपने शत्रुओं का पीछा करके उन्हें जा पकड़ा, और तब तक न लौटा जब तक उनका अन्त न कर डाला। मैंने उन्हें ऐसा मारा कि वे फिर न उठ सके, वे मेरे पैरों के नीचे गिर पड़े। क्योंकि तू ने युद्ध के लिए सामर्थ्य से मेरी कमर कसी है; जो मेरे विरूद्ध उठ खड़े हुए थे उनको तू ने मेरे वश में कर दिया। तू ने मेरे शत्रुओं की पीठ मेरी और फिरवा दी, और जो मुझ से घृणा करते थे उनको मैंने मिटा डाला। वे सहायता के लिए पुकार उठे पर उन्हें बचाने वाला कोई

न था – हां, यहोवा को भी, पर उसने उन्हें उत्तर न दिया। तब मैंने उन्हें कूट–कूटकर आंधी की धूल के समान उड़ा दिया। मैंने उन्हें गली–कूंचों के कीचड़ के समान निकाल फेंका। तू ने मुझे प्रजा के आक्रमणों से छुड़ाया; तू ने मुझे जाति– जाति का प्रधान ठहराया; जिस प्रजा को मैं जानता भी न था वह मेरी सेवा करती है। ज्योंही वे मेरा शब्द सुनते हैं, मेरी आज्ञा पालन करते हैं; विदेशी मेरे अधीन हो जाते हैं। विदेशियों का साहस चला जाता है, और वे अपने किलों में से कांपते हुए निकल आते हैं। यहोवा जीवित है! मेरी चट्टान धन्य हो! और मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर की बड़ाई हो –। जरा विचार करो कितने महान काम दाऊद अपने जीवन में करने में सक्षम था। क्यों दाऊद को इस तरह की जीत प्राप्त हुई है? क्योंकि दाऊद ज्ञान में काम करता था। हम पढ़ें १ शमूएल १८ू५ – अतः शाऊल दाऊद को जहां कहीं भेजता, वह जाता और सफलता प्राप्त करता था। अतः शाऊल ने उसे योद्धाओं के ऊपर अधिकारी नियुक्त कर दिया। यह बात समस्त प्रजा तथा शाऊल के कर्मचारियों की दृष्टि में भली थी।

बुद्धि कहां से आती है? यह प्रभु से आती है। दाऊद को सब बातों में जीत हो सका क्योंकि वह ज्ञान में चला जो परमेश्वर ने उसे सुसज्जित किया था। भजन संहिता १८ू३२–४६ ध्यान से और विचार करे कितनी शक्ति प्रत्येक वचन में है। परमेश्वर ने दाऊद को ज्ञान प्रदान की थी। हम पढ़ें नीतिवचन ४ू७ – बुद्धि का आरम्भ तो यह है ू बुद्धि प्राप्त कर, जो कुछ भी तू प्राप्त करे, समझ को अवश्य प्राप्त कर। हम पढ़ें भजन संहिता १११ू१० – यहोवा का भय मानना बुद्धि का आरम्भ है; उन सब की समझ उत्तम होती है जो उसकी आज्ञा–पालन करते हैं। उसकी स्तुति सदा बनी रहती है। इसलिए ज्ञान कहां से आता है? यह परमेश्वर के डर से आता है। दाऊद को परमेश्वर का डर था और ज्ञान उसे प्रदान किया गया था, इस प्रकार वह ज्ञान के साथ अपने सब कामों को कर सकता था। कैसे शानदार रूप से परमेश्वर उसके दुश्मनों के साथ सभी युद्धों में दाऊद की मदद करता था। वे प्रभु के युद्ध थे। उसे हर लड़ाई में जीत मिली। इसी तरह, हमारे जीवन में जब हम प्रभु का भय मानते है और उसके दिए गए ज्ञान से काम करते है, तो हमें कोई कमी नहीं होगी। हमें हार का अनुभव कभी नहीं होगा, हम हमेशा जीत मिलती है क्योंकि हमारे साथ परमेश्वर है। चाहे बीमारी आए, चाहे दुः ख या कठिनाईं आए या किसी भी समस्या का हमें सामना करना पड़ें, हम अकेले नहीं हैं। परमेश्वर हमारे साथ हैं। यह आवश्यक है कि हम इस पर विश्वास करे। यह महत्वपूर्ण है कि हर शब्द जो हम सुनते है उसे याद रखें। हमारा परमेश्वर जीवित है। हमारे प्रभु हमारे लिये उसका अपना जीवन दिया है। वह निश्चित रूप से मुसीबत के समय में हमारी पुकार सुनेगा। हमें शक नहीं करना चाहिए। हमारे परमेश्वर ने हमसे प्यार किया है। हर रोज हम प्रभु के वचन में आगे बढ़ना चाहिए। जब हम शास्त्रों में पढ़ते है, वचन हमारे जीवन में काम

करना चाहिए। हम कभी शक नहीं करना चाहिए। परमेश्वर हमें उसके दाहिने हाथ पर रखेगा और हमारा ध्यान रखेगा।

हम पढ़ें लूका १५ः१७ – परन्तु जब वह होश में आया तो उसने कहा, श्मेरे पिता के कितने ही मज़दूरों को पेट भर भोजन मिलता है पर मैं यहां भूखों मर रहा हूं! यह खोए बेटे कि दृष्टान्त है। उसने अपनी संपत्ति का हिस्सा ले लिया था और अपने पिता के घर से चला गया था। वह एक ऐसे अवस्था पर आ गया, जहा उसने सब कुछ खो दिया। परन्तु अब उसे एहसास हुआ और उसने अपने पिता के घर को याद किया। लेकिन विचार किजीए कब वह याद करता है? वह जब ज्ञान के साथ सोचता है तब। उसने सब कुछ खो दिया और दुः ख और कठिनाइयों ने उसे घेर लिया था। यह उस समय होता है जब डर उसके दिल को जकड़ लेता है और वह परमेश्वर का भय मानता है। अब वह अपने पिता के घर के बारे में समझदारी से सोचता है, कितना रोटी सेवकों को भी खाने के लिए है, लेकिन यहां वह भोजन की कमी से मर रहा है। उसने ज्ञान के साथ सोचना शुरू किया। वह उठ गया और सीधे अपने पिता के घर को चला गया।

इसी तरह, जब हम प्रभु से दूर जाते है और जब हम उसके काम और हमारे लिए उसके महान प्यार का अनादर करते है, यह ऐसा समय है जब हमने ज्ञान खो दिया है। हम एक बार फिर से ज्ञान के साथ याद रखना चाहिए। हमारा परमेश्वर एक परमेश्वर जो प्यार करता है और उसके हाथ में सब कुछ है। यदि हम प्रभु के पास लौटते हैं, निश्चित रूप से वह हमें बहुत सी चीज़ें दे देगा। लेकिन यह सब तभी होगा जब हम परमेश्वर के ज्ञान में चलते है। यह परमेश्वर का प्रेम और डर है जो हमें ऊपर उठा सकता है।

हम पढ़ें लूका १२ः३५ – ष्तुम्हारी कमरें कसी रहें और तुम्हारे दीपक जलते रहें। हमें हमेशा सतर्क रहना चाहिए। और हम हमारे रोशनी को हमेशा कैसे जलता हुआ रख सकते हैं? यह केवल जब हमारे पास पर्याप्त तेल है। हल्लेलूय्याह! यदि परमेश्वर ने हम को बुलाया है, तो हम सिर्फ खाना और सोना नहीं करना चाहिए। कभी नहीं! हमें हमेशा तैयार रहना चाहिए। किसके लिए तैयार? शैतान के साथ लड़ाई के लिए तैयार रहना चाहिए। हम अपने आप को परमेश्वर का वचन के माध्यम से तैयार रख सकते हैं। जब हम सोने पर हैं, उस समय भी हमें अपने दिल में परमेश्वर के प्रेम को उठाना चाहिए। दिया गया वचन हमारे दिल में काम करने के लिए सक्षम होना चाहिए। हमारी रोशनी हमेशा जलते रहना चाहिए। यह कैसे संभव है? यह केवल पवित्र आत्मा के अभिषेक के तेल से ही है। जैसे प्रसिद्ध गीत कहता हैं, श्यह पवित्र आत्मा का आग है जो मुझे जीवित रखती है।श इसलिए जीवित रहने के लिए हमें पवित्र आत्मा के अभिषेक का तेल होना चाहिए। पवित्र आत्मा हम में वास करना

चाहिए उसके बाद ही हमारे जीवन में चमक होगी और हम कई काम कर सकते हैं। वचन हम में से हर एक को आशीष दें।